

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा
विद्यापीठ, नांदेड

अभ्यासक्रम

पाली

तृतीय वर्ष

जून २०१० पासून लागू

बी.ए. तृतीय वर्ष
अभ्यासपत्रिका पाचवी
उदान व विशुद्धिमग्ग

एकूण गुण ८० + २०=१००

- अ) गद्य विभाग ३०
- १) पठमबोधिसुत्त
 - २) अजकलापकसुत्त
 - ३) सडगामजित सुत्त
 - ४) साहिय सुत्त
 - ५) सुप्पवासासुत्तं
 - ६) भद्विय सुत्त
 - ७) नन्द सुत्त
 - ८) सिप्प सुत्तं
- ब) पद्य विभाग ३०
- १) निदानादि कथा
 - २) सीलनिद्वेसो
 - ३) सीलनिसंसकथा
 - ४) सीलसंकिलेसवोदान
 - ५) पकिष्णककथा
 - ६) बुद्धानुस्सतिकथा
 - ७) जातिनिद्वेसो
 - ८) जरानिद्वेसो
 - ९) मरणनिद्वेसो
 - १०) उपमाहि नामरुपविभावना
 - ११) पच्चयपरिग्गहकथा
 - १२) निगमनकथा

- क) सामान्य माहिती २०
- १) अशोकाचे (गिरनार) शिलालेख - १ ते १४
- २) बौद्ध कला
- ३) शिल्पकला
- ४) वास्तुकला
- ड) प्रात्यक्षिक - प्रकल्प लेखन व तोंडी परिक्षा २०

संदर्भ ग्रंथ

१. उदानपालि - विपय्यना विशोधन विन्यास इगतपूरी - १९९५.
२. विसुद्धिमग्गो - (पठमो भागो) विपश्यना विशोधन विन्यास इगतपूरी-१९९८
३. विसुद्धिमग्गो-(दुतियो भागो) विपश्यना विशोधन विन्यास इगतपूरी-१९९८
४. प्राचीन अभिलेख संग्रह - डॉ. श्रीराम गोयल
५. प्राचीन भारतीय कला - म.श्री.माटे

बी.ए. तृतीय वर्ष
अभ्यासपत्रिका सहावी
महापरिनिब्बान सुत्त व खुद्दपाठ

एकूण गुण ८० + २०=१००

- | | |
|---------------------------------------|----|
| अ) गद्य विभाग | ३० |
| १) सत्त अपरिहानिय धम्मा | |
| २) सीलानिसंसा | |
| ३) चत्तारि अरियसच्चानि | |
| ४) अम्बपालि गणिकाय भोजनं | |
| ब) पद्य विभाग | ३० |
| १) महामङ्गल सुत्त | |
| २) रतन सुत्त | |
| ३) तिरोकुट्टसुत्तं | |
| ४) कुमार पन्हा | |
| ५) निधिकण्डसुत्त | |
| ६) सरणत्तय | |
| ७) मेत्तासुत्त | |
| ८) दससिक्खापदं | |
| क) सामान्य माहिती (बौद्ध धम्म संगिति) | २० |
| १) प्रथम धम्म संगिती | |
| २) दुनिय धम्मसंगिती | |
| ३) तृतीय धम्मसंगिती | |
| ४) चतुर्थ धम्मसंगिती | |
| ५) पंचम धम्मसंगिती | |
| ६) सष्ठी धम्मसंगिती | |
| ७) बोधिसत्त्व | |
| ८) चीवर | |
| ९) प्रव्रज्ज | |
| १०) उपसंपदा | |
| ११) श्रीमणेर | |

- १२) स्थविर
- १३) निर्वाण
- १४) परिनिर्वाण
- १५) महापरिनिर्वाण
- १६) अर्हत

ड) प्रात्यक्षिक - प्रकल्प लेखन व तोंडी परिक्षा

२०

संदर्भ ग्रंथ

- १) दीघनिकाय - विपश्चना विशोधन विन्यास इगतपूरी.
- २) पालि साहित्यका इतिहास - डॉ. भरतसिंह उपाध्याय
- ३) खुदकपाठपालि-विपश्चना विशोधन विन्यास इगतपूरी-१९९५.
- ४) बुद्धकालिन भारत का इतिहास-भदन्न धम्मकिर्ती महाथेसे.
- ५) बौद्ध संस्कृती-भागचंद्र जैन.

बी.ए. तृतीय वर्ष
अभ्यासपत्रिका सातवी
मिलिन्द पञ्चो व चरिथापिटक

एकूण गुण ८० + २०=१००

अ) गद्य विभाग	३०
१) लक्खण पञ्चो - १ ते ८ प्रकरण	
ब) पद्य विभाग	३०
१) कुरुधम्म चरिय	
२) निमीराज चरिय	
३) ससपण्डित चरिय	
४) रुरुराज चरिय	
५) अयोधर चरिय	
६) कपिराज चरिय	
७) वट्टपोतक चरिय	
८) मच्छराज चरिय.	
क) सामान्य माहिती	२०
अट्टकथाकार	
१) बुद्धदत्त	
२) बुद्धघोष	
३) धम्मपाल	
४) अजिंठा	
५) वेरुळ	
६) कार्ले	
७) पितळखोरा	
८) भाजे	
९) कान्हेरी	
१०) जुन्नर	
११) नासिक	

संदर्भ ग्रंथ

१. चरियापिटक - विपश्चना विशोधन विन्यास इगतपुरी
२. मिलिंद प्रश्न - विपश्चना विशोधन विन्यास इगतपुरी
३. पाली साहित्यका इतिहास-डॉ. भरतसिंह उपाध्याय.
४. मराठवाड्यातील शिल्प वैभव-म.श्री.माटे

तृतीय वर्ष (२०१०)
(ऐच्छिक)
पाली
प्रश्न पत्रिकेचे स्वरूप

वेळ - ३ तास

एकुण गुण ८०

प्र. १ ला	कोणत्याही दोन उताऱ्याचे भाषांतर करा (३ पैकी २)	गुण १६
प्र. २ रा	कोणत्याही दोन गाथा समुहाचे भाषांतर करा (३ पैकी २)	गुण १६
प्र. ३ रा	कोणत्याही दोन संदर्भासह अर्थ स्पष्ट करा (४ पैकी २)	गुण ०८
प्र. ४ था	दिर्घोत्तरी प्रश्न (४ पैकी २)	गुण १६
प्र. ५ वा	लघुत्तरी प्रश्न, कोणत्याही ४ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे लिहा (सामान्य माहिती)	गुण ०८
प्र. ६ वा	कोणत्याही दोन प्रश्नांची सविस्तर उत्तरे लिहा (सामान्य माहिती)	गुण १६